हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

हाईकोर्ट की नसीहत

-पढ़ें पेज 3

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 05 कांगड़ा। शनिवार, 01 जून-07 जून, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 19 ज्येष्ठ, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

वट सावित्री व्रत

हर सुहागिन महिला अपने सुहाग की लंबी उम्र की ईश्वर से कामना करती है। यही नहीं पति की तरक्की के लिए वह कई उपवास व उपाय भी करती है, ताकि उनके सुहाग पर देवताओं की कृपा बनी रहे। इसलिए देश में करवा चौथ का विशेष महत्व बताया गया है। लेकिन कुछ महिलाएं पति की लंबी उम्र और कार्य उन्नति के लिए वट सावित्री का उपवास भी रखती है। मान्यता है कि जो भी विवाहित महिला ये उपवास रखती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। सुहागिन महिलाओं के लिए ये व्रत बेहद ही खास होता है। इस दिन महिलाएं पूरे विधि–विधान से पूजा करते हुए, सभी नियमों का पालन करती है। कुछ महिलाएं इस दिन निर्जला उपवास रखती है और बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं।

पहली बार इस व्रत को रखते हुए कई बातों का ध्यान रखा जाता है। साथ ही पूजा की सही विधि का पालन करना चाहिए। ऐसे में आइए जानते है कि, पहली बार वट सावित्री का व्रत रखते हुए आखिर किस विधि से पूजा करनी चाहिए।

पहली बार वट सावित्री व्रत में इस विधि से करें पूजा

- वट सावित्री व्रत के दिन सुबह ही स्नान कर लें।
- इस दौरान लाल रंग की साड़ी पहनें।
- वट सावित्री व्रत वाले दिन दुल्हन की तरह 16 शृंगार करें।
- मुहूर्त के अनुसार वट वृक्ष के पास साफ–सफाई करते हुए वहां गंगाजल का छिड़काव करें।
- इस दौरान बांस की दो टोकरी में सप्रधान रखें।
- बता दें इस पहली टोकरी में ब्रह्मा जी की मूर्ति रखें
- दूसरी टोकरी में सावित्री–सत्यवान की तस्वीर स्थापित करें।
- इस दौरान पूजा करते हुए वट वृक्ष की जड़ में जल और कच्चा दूध अर्पित करें।
- इस दौरान चावल के आटे का पीठा जरूर लगाएं।
- बाद में आप रोली, अक्षत, पान, फल, सुपारी, फूल, बताशे आदि पूजा सामग्री चढ़ाएं।
- बाद में वृक्ष की 7 बार परिक्रमा करते हुए आप इसपर कच्चा सूत या कलावा लपेटें।
- फिर कथा सुने या पढ़ें।

■ पं. कुलदीप शास्त्री